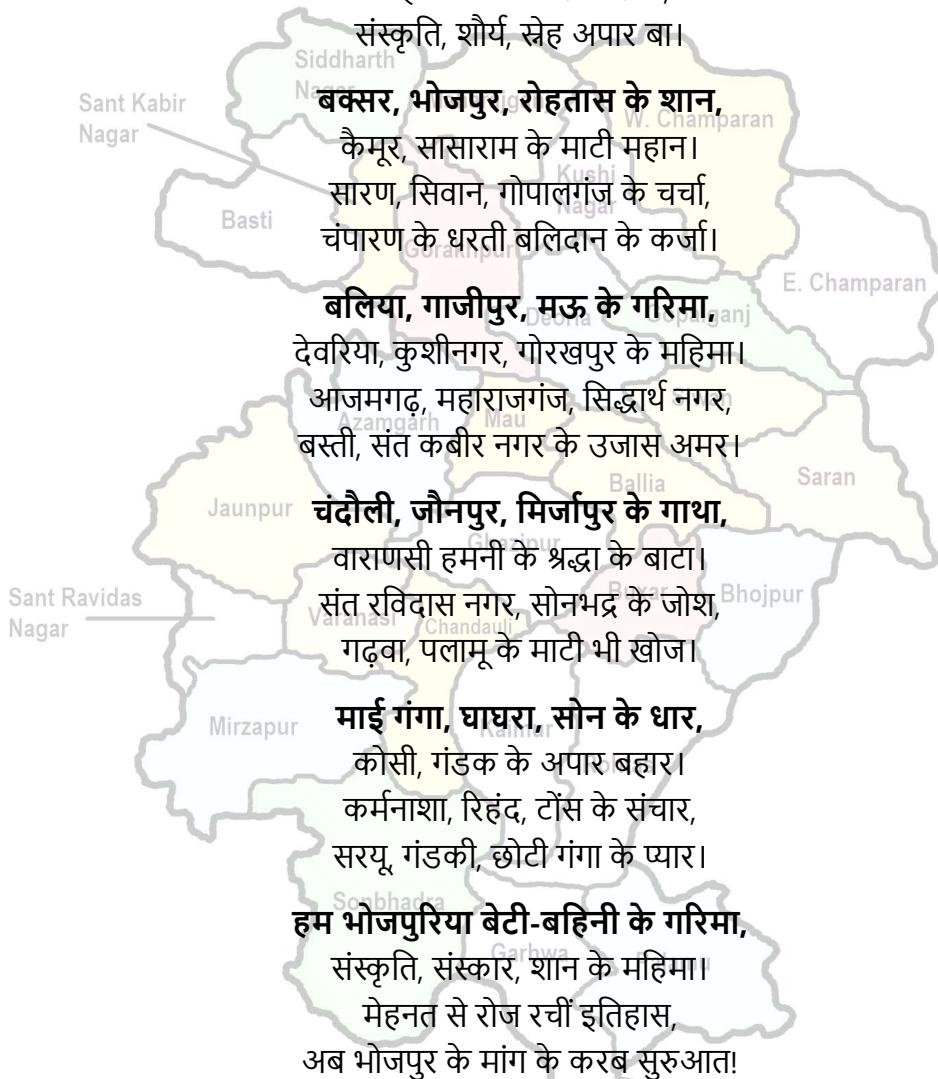


हमार भोजपुर राज्य

सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया,
अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी,
राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

बाबा बिश्वनाथ के आशीर्वाद बा,
माई विध्वासिनी के दुलार बा।
माई गंगा के निर्मल धार बा,
संस्कृति, शैर्य, स्रेह अपार बा।



भइया लोग, अब हाथ बढ़ावs,
अब भोजपुर के हक ले आवाड।
अब ना दबब, अब ना झुकब,
अब भोजपुर राज्य के मांग न छोड़ब!

गूँज रहल बा हर गाँव-नगर, कहेलें धर्मेंद्र कुमार
अब भोजपुर राज्य हमार अधिकार!!

सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra Kumar

हमार भोजपुर राज्य

॥ भोजपुर राज्य के जरूरत काहे बा? (एक विस्तृत आ गहन विश्लेषण)

भोजपुरिया क्षेत्र के जनता बरिसन से राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आ औद्योगिक रूप से उपेक्षित रहल बिया। भोजपुरिया लोगन के अपना भाषा, रोजगार, शिक्षा आ बुनियादी सुविधन खातिर लगातार संघर्ष करे के पड़ता। जब झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ आ तेलंगाना जइसन राज्य बन सकेला, त भोजपुर राज्य काहे नइखे बन सके? एह लेख में भोजपुर राज्य के जरूरत के हर पहलू से गहराई से समझल जाई।

♦ घोजपुरिया पहचान के सुरक्षा आ भाषा के सम्मान ♦

भोजपुरी भाषा 25 करोड़ से अधिक लोग बोलेला, लेकिन एकरा के अभी तक संवैधानिक मान्यता नइखे मिलल।

- ✓ भोजपुरी भाषा विश्व स्तर पर प्रसिद्ध बा, लेकिन भारत में संविधान के आठवीं अनुसूची में अबहीं तक शामिल नइखे भइल।
- ✓ बिहार में मैथिली, मगही, अंगिका जइसन भाषा के सरकारी मान्यता मिलल बा, लेकिन भोजपुरी के अनदेखी भइल बा।
- ✓ भोजपुरी में भिखारी ठाकुर, राहुल साकृत्यायन, महेंद्र मिश्र, रेणु, देवकी नंदन खत्री जइसन साहित्यकार लोगन के योगदान रहल बा।
- ✓ अगर भोजपुर राज्य बन जाई, त भोजपुरी के सरकारी मान्यता मिली आ एकरा के स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई जाए लागी।
- ✓ भोजपुरी सिनेमा, लोकगीत, बिरहा, बिदेसिया, नाटक आ साहित्य के संरक्षण आ संवर्धन मिली।

♦ आर्थिक पिछड़ापन दूर कइला खातिर भोजपुर राज्य जरूरी बा ♦

भोजपुर क्षेत्र में अपार प्राकृतिक संसाधन बा, लेकिन विकास नइखे भइल।

❖ (A) कृषि आधारित अर्थव्यवस्था ❖

👉 भोजपुर क्षेत्र के मुख्य फसल: गेहूँ, धान, गन्ना, दलहन, तिलहन, आलू, प्याज, मिर्च, मसाला, फल-सब्जी।

👉 अगर भोजपुर राज्य बन जाई, त:

- ✓ फूड प्रोसेसिंग यूनिट, कोल्ड स्टोरेज आ आधुनिक कृषि अनुसंधान केंद्र खुली।
- ✓ गन्ना उत्पादन वाला इलाका में नई चीनी मिल खोली।
- ✓ डेयरी उद्योग, पोल्ट्री फार्म आ मत्स्य पालन के बढ़ावा मिली।

❖ (B) खनिज संपदा आ उद्योग ❖

👉 भोजपुर क्षेत्र में कोयला, लौह अयस्क, चूना पत्थर, ग्रेनाइट, बॉक्साइट, बालू, सिलिका भरपूर बा।

सुन्स हो बहिनी, सुन्स हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

*Jharmendra
Kumar*

हमार भोजपुर राज्य

👉 अगर भोजपुर राज्य बन जाई, तः

- ✓ सीमेंट उद्योग, स्टील प्लांट, बिजली प्लांट, स्टोन क्रशर, खनिज प्रसंस्करण इकाई लगावल जाई।
- ✓ खनिज संसाधन के सही इस्तेमाल से रोजगार बढ़ी।

❖ (C) वस्त्र और हस्तशिल्प उद्योग ❖

👉 बनारसी साड़ी, भदोही के कालीन, गाजीपुर के जूट, कैमूर के पत्थर के उद्योग बा।

👉 अगर भोजपुर राज्य बन जाई, तः

- ✓ हथकरघा, टेक्सटाइल, कालीन उद्योग के सरकारी सहयोग मिली।
- ✓ नई टेक्सटाइल पार्क, निर्यात केंद्र, सिल्क मिल खुली।

❖ (D) व्यापार और परिवहन सुविधा ❖

👉 भोजपुर क्षेत्र के व्यापार मुख्य रूप से कृषि और हस्तशिल्प पर आधारित बा।

👉 अगर भोजपुर राज्य बन जाई, तः

- ✓ नए एक्सप्रेसवे, रेलवे कॉरिडोर, बंदरगाह लिंक बनावल जाई।
- ✓ बक्सर, बलिया, गाजीपुर, सोनभद्र, चंदौली में व्यापारिक हब तैयार होई।

- ◆ इबरोजगारी आ पलायन के रोकथाम ◆
- ✓ भोजपुर क्षेत्र के लाखों युवा दिल्ली, मुंबई, गुजरात, पंजाब, सऊदी अरब, कतर, UAE में मजूरी करे खातिर जाए के मजबूर बा।
- ✓ अगर भोजपुर राज्य बन जाई, तः
- ✓ स्थानीय स्तर पर उद्योग-धंधा बढ़ी, जवना से रोजगार के अवसर मिली।
- ✓ शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट केंद्र खोला जाई, जवना से आईटी, टेक्सटाइल, मशीनरी, स्टार्टअप के बढ़ावा मिली।

◆ शिक्षा आ स्वास्थ्य के सुधार ◆

भोजपुर क्षेत्र में अच्छा मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, रिसर्च इंस्टीट्यूट नइखे।

✓ अगर भोजपुर राज्य बन जाई, तः

- ✓ नई यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज, IIT, IIM, रिसर्च इंस्टीट्यूट खोलल जाई।
- ✓ AIIMS जइसन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, जिला अस्पताल के उन्नयन कइल जाई।

◆ प्रशासनिक उपेक्षा के अंत ◆

✓ भोजपुर क्षेत्र के विकास खातिर पटना, लखनऊ आ रांची से कोई खास ध्यान नइखे दिहल जा रहल।

✓ अगर भोजपुर राज्य बन जाई, तः

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

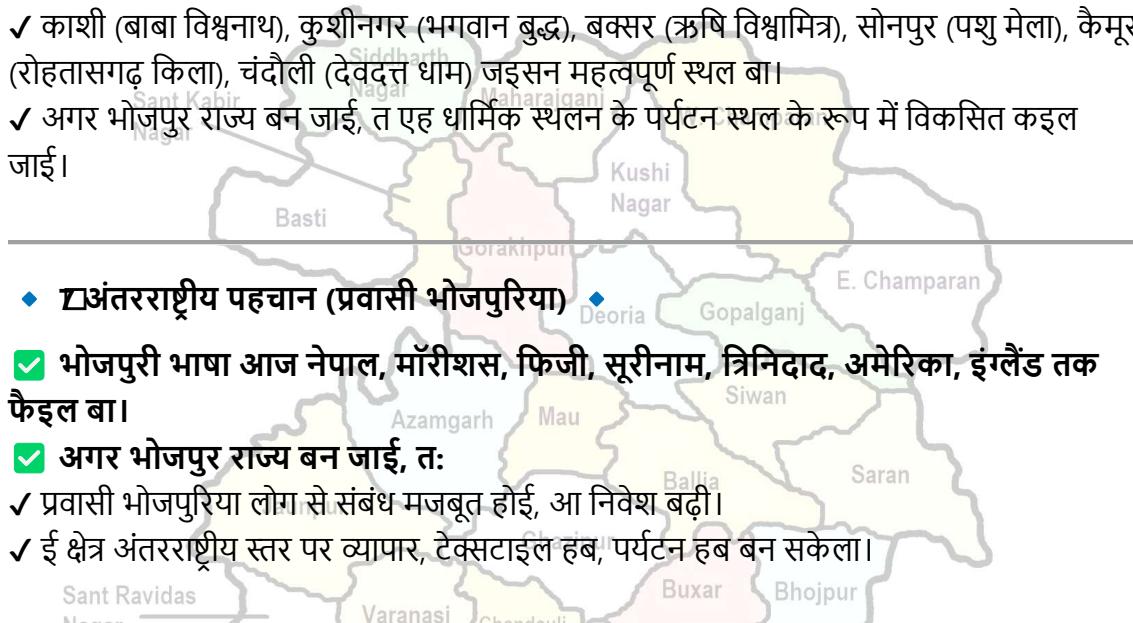
हमार भोजपुर राज्य

- ✓ अपना प्रशासन, बजट, कानून, योजना खुद बनावल जाई।
- ✓ तेजी से सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा के विकास होई।

♦ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक आ धार्मिक महत्व ♦

- भोजपुर क्षेत्र भारत के सांस्कृतिक आ ऐतिहासिक धरोहर ह।
- एह क्षेत्र में:

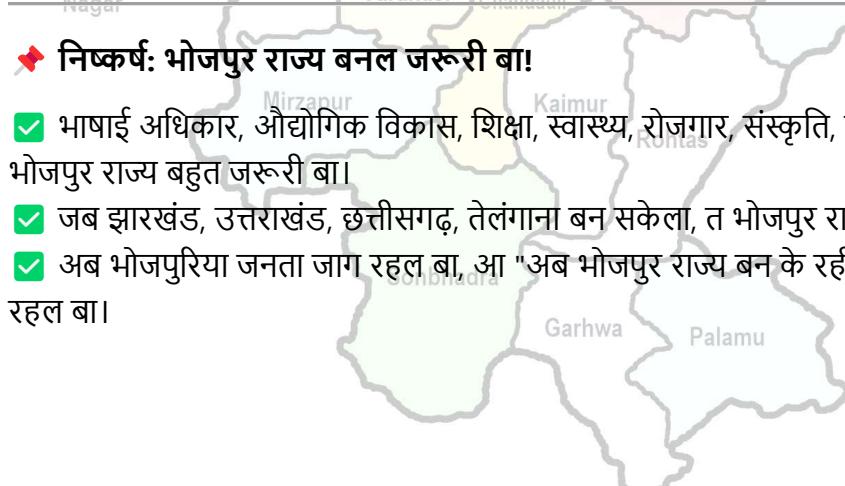
- ✓ काशी (बाबा विश्वनाथ), कुशीनगर (भगवान बुद्ध), बक्सर (ऋषि विश्वामित्र), सोनपुर (पशु मेला), कैमूर (रोहतासगढ़ किला), चंदौली (देवदत्त धाम) जइसन महत्वपूर्ण स्थल बा।
- ✓ अगर भोजपुर राज्य बन जाई, त एह धार्मिक स्थलन के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कइल जाई।



♦ अंतरराष्ट्रीय पहचान (प्रवासी भोजपुरिया) ♦

- भोजपुरी भाषा आज नेपाल, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, अमेरिका, इंग्लैंड तक फैइल बा।
- अगर भोजपुर राज्य बन जाई, त:

- ✓ प्रवासी भोजपुरिया लोग से संबंध मजबूत होई, आ निवेश बढ़ी।
- ✓ ई क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार, टेक्सटाइल हब, पर्यटन हब बन सकेला।



सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Jharmendra Kumar

हमार भोजपुर राज्य

👉 भोजपुर राज्य के कुल क्षेत्रफल आ विश्लेषण ✨

👉 कुल क्षेत्रफल: 85,390 वर्ग किमी

👉 भोजपुर राज्य में कुल 28 गो जिला बा, जवन कि बिहार, उत्तर प्रदेश आ झारखंड के भोजपुरिया बोले वाला इलाका ह।

👉 प्राकृतिक संसाधन:

- ✓ बड़ी नदियाँ: गंगा, घाघरा, सोन, गांडक, सरयू
- ✓ कृषि योग्य उपजाऊ भूमि: धान, गेहूँ, गन्ना, दलहन, तिलहन खातिर उपयुक्त
- ✓ खनिज संपदा: लौह अयस्क, चूना पत्थर, कोयला, बॉक्साइट
- ✓ वन्य संपदा: औषधीय पौधा, लकड़ी, जीव-जंतु के संरक्षण
- ✓ जलविद्युत क्षमता: सोनभद्र, मिर्जापुर, कैमूर क्षेत्र में हाईड्रो पावर संभावना

👉 आर्थिक एवं औद्योगिक शक्ति:

✓ कृषि आधारित उद्योग:

- धान, गेहूँ, गन्ना, दलहन, तिलहन के उत्पादन
- चीनी मिल, तेल मिल, चावल मिल

✓ खनिज आधारित उद्योग:

- सीमेंट फैक्ट्री (चंदौली, सोनभद्र, कैमूर)
- कोयला खदान (सोनभद्र)
- स्टोन क्रशर (मिर्जापुर, कैमूर)

✓ वस्त्र और हस्तशिल्प उद्योग:

- बनारसी साड़ी, भदोही के कालीन, मऊ के हथकरघा

✓ पर्यटन और धार्मिक स्थल:

- काशी (वाराणसी), कुशीनगर, बक्सर, सोनपुर मेला, मिर्जापुर (विध्याचल मंदिर)

👉 संभावित औद्योगिक विकास:

🚀 आधुनिक कृषि प्रसंस्करण इकाइयाँ (फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज)

🚀 लघु एवं मध्यम उद्योग (डेयरी, मत्स्य पालन, हस्तशिल्प)

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

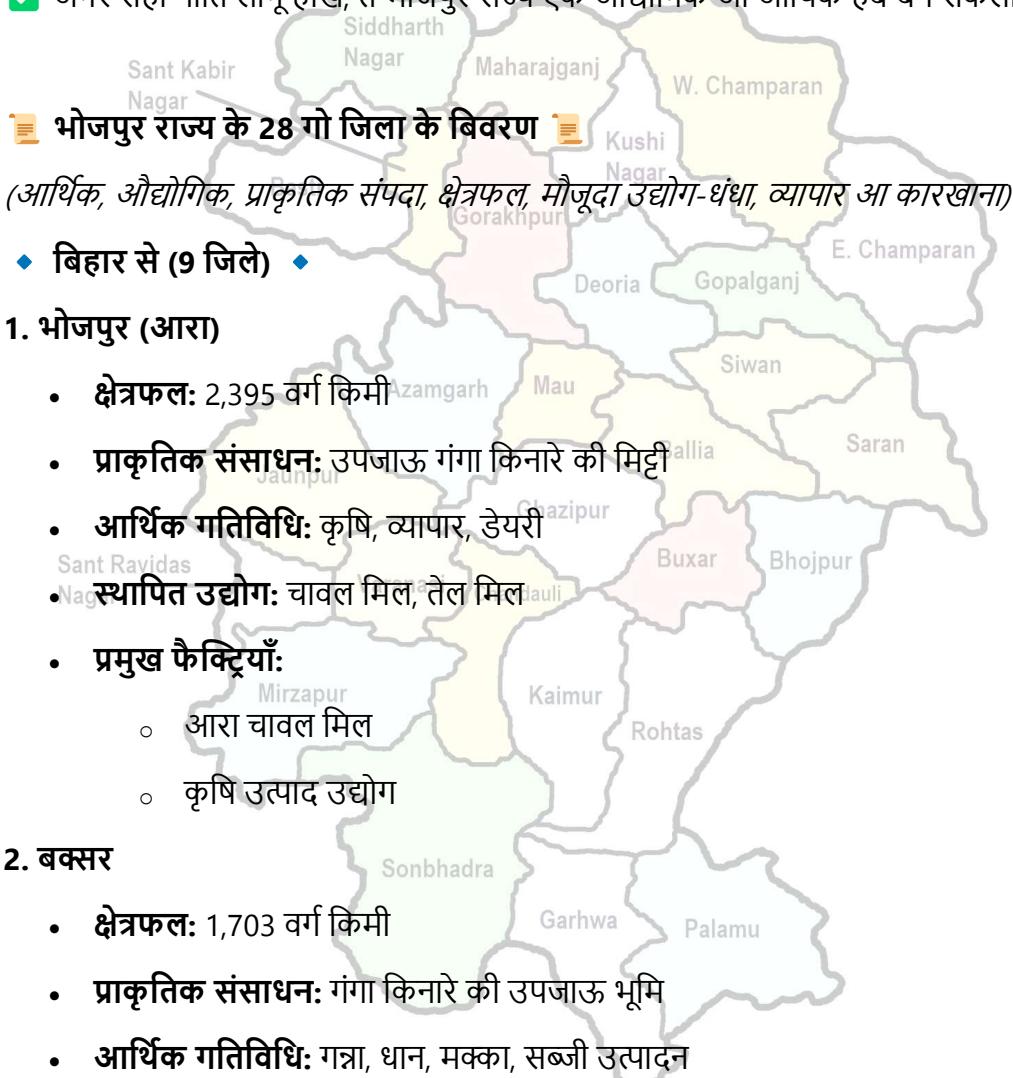
*Jharmendra
Kumar*

हमार भोजपुर राज्य

- ऊर्जा और खनिज आधारित उद्योग (हाइड्रो पावर, सीमेंट, बिजली उत्पादन)
- टेक्स्टाइल पार्क और हस्तशिल्प केंद्र (बनारसी साड़ी, मऊ हथकरघा)

❖ निष्कर्ष

- भोजपुर राज्य के पास समृद्ध प्राकृतिक, कृषि आ खनिज संसाधन बा।
- खेती-बाड़ी, उद्योग आ व्यापार के जबरदस्त संभावना बा।
- अगर सही नीति लागू होखे, त भोजपुर राज्य एक औद्योगिक आ आर्थिक हब बन सकेला!



◆ बिहार से (9 जिले) ◆

1. भोजपुर (आरा)

- क्षेत्रफल: 2,395 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: उपजाऊ गंगा किनारे की मिट्टी
- आर्थिक गतिविधि: कृषि, व्यापार, डेयरी
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - आरा चावल मिल
 - कृषि उत्पाद उद्योग

2. बक्सर

- क्षेत्रफल: 1,703 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंगा किनारे की उपजाऊ भूमि
- आर्थिक गतिविधि: गन्ना, धान, मक्का, सब्जी उत्पादन
- स्थापित उद्योग: चावल मिल, डेयरी
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - बक्सर पेपर मिल (बंद)
 - खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

3. सिवान

- क्षेत्रफल: 2,219 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: कृषि भूमि, जल संसाधन
- आर्थिक गतिविधि: डेयरी, कृषि, व्यापार
- स्थापित उद्योग: कोल्ड स्टोरेज, डेयरी उद्योग
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - धान व गेहूं प्रसंस्करण इकाइयाँ

4. सारण (छपरा)

- क्षेत्रफल: 2,641 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंगा-घाघरा संगम की उर्वर भूमि
- आर्थिक गतिविधि: चीनी मिल, पशुपालन
- स्थापित उद्योग: गन्ना प्रसंस्करण, मत्स्य पालन
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - दिघवारा सरसों तेल उद्योग
 - सोनपुर रेलवे वर्कशॉप

5. गोपालगंज

- क्षेत्रफल: 2,033 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: जल स्रोत, कृषि भूमि
- आर्थिक गतिविधि: गन्ना, दलहन, तिलहन
- स्थापित उद्योग: चीनी मिल, कृषि प्रसंस्करण
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - हरखुआ चीनी मिल
 - कोल्ड स्टोरेज इकाइयाँ

6. पश्चिम चंपारण

- क्षेत्रफल: 5,229 वर्ग किमी

सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

- प्राकृतिक संसाधन: जूट, नील, जल संसाधन
- आर्थिक गतिविधि: गन्ना, दलहन, मत्स्य पालन
- स्थापित उद्योग: चीनी मिल, जूट उद्योग
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - बेतिया चीनी मिल
 - हस्तशिल्प इकाइयाँ

7. पूर्वी चंपारण

- क्षेत्रफल: 3,968 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: कृषि, जल संसाधन
- आर्थिक गतिविधि: गन्ना, पशुपालन
- स्थापित उद्योग: चीनी मिल, कृषि प्रसंस्करण
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - मोतीहारी चीनी मिल
 - जैविक खाद उत्पादन इकाइयाँ

8. रोहतास (सासाराम)

- क्षेत्रफल: 3,850 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: सीमेंट उत्पादन के लिए चूना पत्थर
- आर्थिक गतिविधि: खनन, कृषि
- स्थापित उद्योग: सीमेंट, स्टोन क्रशर
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - डालमिया सीमेंट फैक्ट्री
 - स्टोन क्रशर उद्योग

9. कैमूर

- क्षेत्रफल: 3,336 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: वन संपदा, जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: वन्य उत्पाद, जल विद्युत

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

*Dharmendra
Kumar*

हमार भोजपुर राज्य

- स्थापित उद्योग: पत्थर खदान, जल विद्युत
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - सीमेंट उद्योग
 - कृषि उपकरण निर्माण

♦ उत्तर प्रदेश से (17 जिले) ♦

1. बलिया

- क्षेत्रफल: 2,981 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंगा और धाघरा किनारे उपजाऊ भूमि
- आर्थिक गतिविधि: धान, गेहूं, गन्ना, सब्जी उत्पादन
- स्थापित उद्योग: चावल मिल, तेल मिल, हथकरघा
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - बलिया चावल मिल
 - सरसों तेल उत्पादन इकाइयाँ

2. गाजीपुर

- क्षेत्रफल: 3,377 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंगा किनारे उपजाऊ मिट्टी, अफीम की खेती
- आर्थिक गतिविधि: अफीम, धान, गन्ना, मत्स्य पालन
- स्थापित उद्योग: अफीम प्रसंस्करण, मत्स्य पालन
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - भारतीय अफीम एवं एल्कलाइड फैक्ट्री
 - गन्ना मिलें

3. मऊ

- क्षेत्रफल: 1,713 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: उपजाऊ कृषि भूमि, जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: वस्त्र उद्योग, चावल मिल

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

- स्थापित उद्योग: हथकरघा, पावरलूम
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - मऊ वस्त्र उद्योग
 - बुनकरी आधारित फैक्ट्रियाँ

4. आजमगढ़

- क्षेत्रफल: 4,054 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंगा-तमसा किनारे की ऊर्वर भूमि
- आर्थिक गतिविधि: बुनकरी, कृषि, डेयरी
- स्थापित उद्योग: हथकरघा उद्योग, डेयरी
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - आजमगढ़ हथकरघा केंद्र

5. देवरिया

- क्षेत्रफल: 2,535 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंडक, घाघरा, सरयू के जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: गन्ना, मत्स्य पालन, डेयरी
- स्थापित उद्योग: चीनी मिल, मत्स्य पालन
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - देवरिया चीनी मिल

6. गोरखपुर

- क्षेत्रफल: 3,321 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: वन्य संपदा, जल संसाधन
- आर्थिक गतिविधि: चीनी उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण
- स्थापित उद्योग: चीनी मिल, खाद्य प्रसंस्करण
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - गोरखपुर खाद कारखाना

7. कुशीनगर

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

- क्षेत्रफल: 2,873 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंडक नदी, उपजाऊ भूमि
- आर्थिक गतिविधि: गत्रा, धान, फल उत्पादन
- स्थापित उद्योग: चीनी मिल, पर्यटन
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:

- रामकोला चीनी मिल

8. महाराजगंज

- क्षेत्रफल: 2,951 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: वन्य संपदा, जल संसाधन
- आर्थिक गतिविधि: कृषि, वन उत्पाद
- स्थापित उद्योग: कृषि आधारित उद्योग
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - कृषि प्रसंस्करण इकाइयाँ

9. सिद्धार्थनगर

- क्षेत्रफल: 2,895 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: उपजाऊ मिट्टी, जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: कृषि, तिलहन उत्पादन
- स्थापित उद्योग: तेल मिल, कृषि उत्पाद
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ

10. संत कबीर नगर

- क्षेत्रफल: 1,636 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: उपजाऊ मिट्टी, जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: कृषि, मत्स्य पालन
- स्थापित उद्योग: मत्स्य पालन, डेयरी
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Yhammond
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

- डेयरी प्रसंस्करण इकाइयाँ

11. बस्ती

- क्षेत्रफल: 2,688 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: वन संपदा, कृषि भूमि
- आर्थिक गतिविधि: गन्ना, मक्का उत्पादन
- स्थापित उद्योग: चीनी मिल
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - बस्ती चीनी मिल

12. जौनपुर

- क्षेत्रफल: 2,038 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: तमसा नदी किनारे उपजाऊ भूमि
- आर्थिक गतिविधि: धान, हथकरघा, डेयरी
- स्थापित उद्योग: वस्त्र उद्योग
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:

○ जौनपुर हथकरघा केंद्र

13. वाराणसी

- क्षेत्रफल: 1,535 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: गंगा नदी, सांस्कृतिक धरोहर
- आर्थिक गतिविधि: वस्त्र उद्योग, पर्यटन
- स्थापित उद्योग: बनारसी साड़ी उद्योग
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - बनारसी वस्त्र उद्योग

14. चंदौली

- क्षेत्रफल: 2,541 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: वन, जल संसाधन
- आर्थिक गतिविधि: कृषि, कोल व्यापार

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

*Dharmendra
Kumar*

हमार भोजपुर राज्य

- स्थापित उद्योग: धान मिल, कोल आधारित उद्योग
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - कोल प्रसंस्करण इकाइयाँ

15. संत रविदास नगर (भदोही)

- क्षेत्रफल: 1,015 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: कृषि भूमि, जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: कालीन उद्योग
- स्थापित उद्योग: कालीन निर्माण
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - भदोही कालीन उद्योग

16. मिर्जापुर

- क्षेत्रफल: 4,521 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: विध पर्वतमाला, जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: कालीन, पत्थर खनन
- स्थापित उद्योग: पत्थर खदान, वस्त्र उद्योग
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - मिर्जापुर कालीन उद्योग

17. सोनभद्र

- क्षेत्रफल: 6,905 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: कोयला, बॉक्साइट, जल स्रोत
- आर्थिक गतिविधि: खनन, जल विद्युत
- स्थापित उद्योग: कोयला, एल्युमिनियम
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - हिंडाल्को एल्युमिनियम फैक्ट्री
 - एनटीपीसी बिजली संयंत्र

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmentary
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

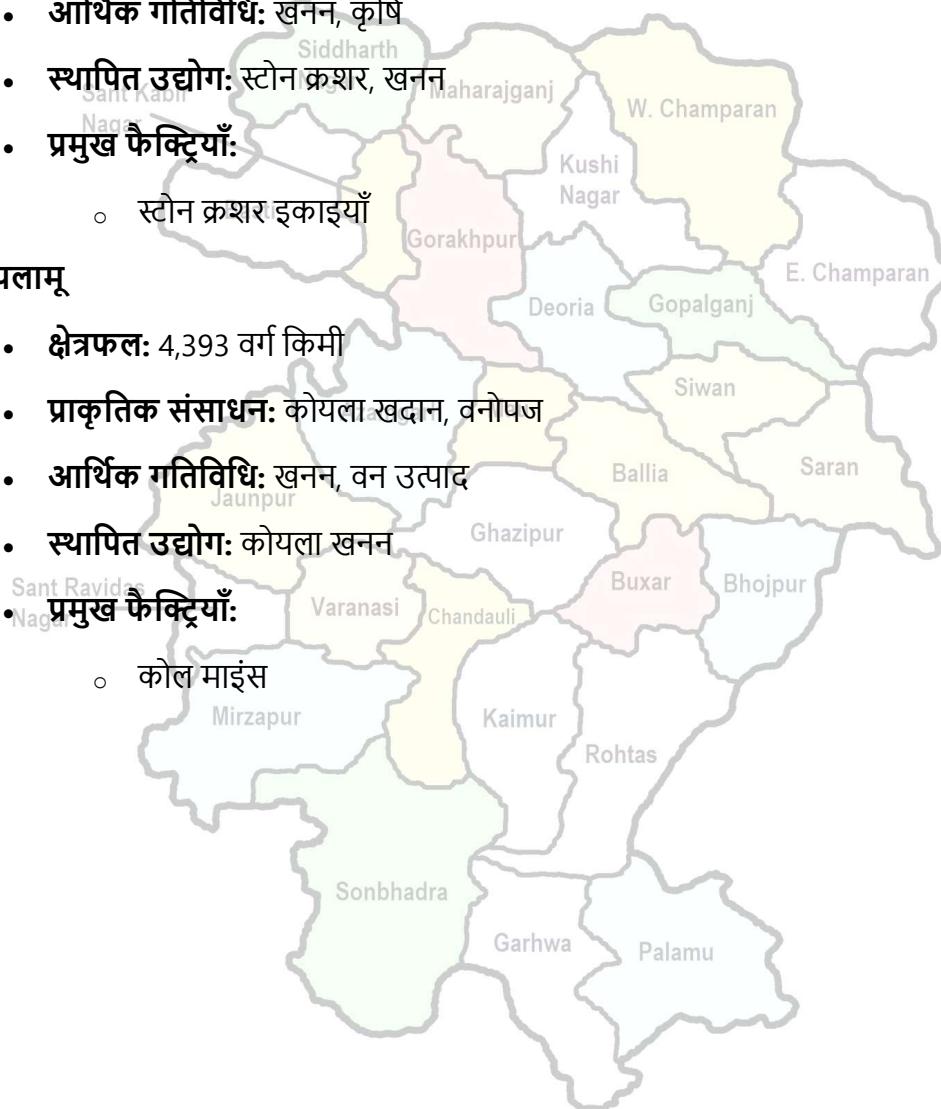
◆ झारखंड से (2 जिले) ◆

1. गढ़वा

- क्षेत्रफल: 4,044 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: लौह अयस्क, पत्थर खदान
- आर्थिक गतिविधि: खनन, कृषि
- स्थापित उद्योग: स्टोन क्रशर, खनन
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - स्टोन क्रशर इकाइयाँ

2. पलामू

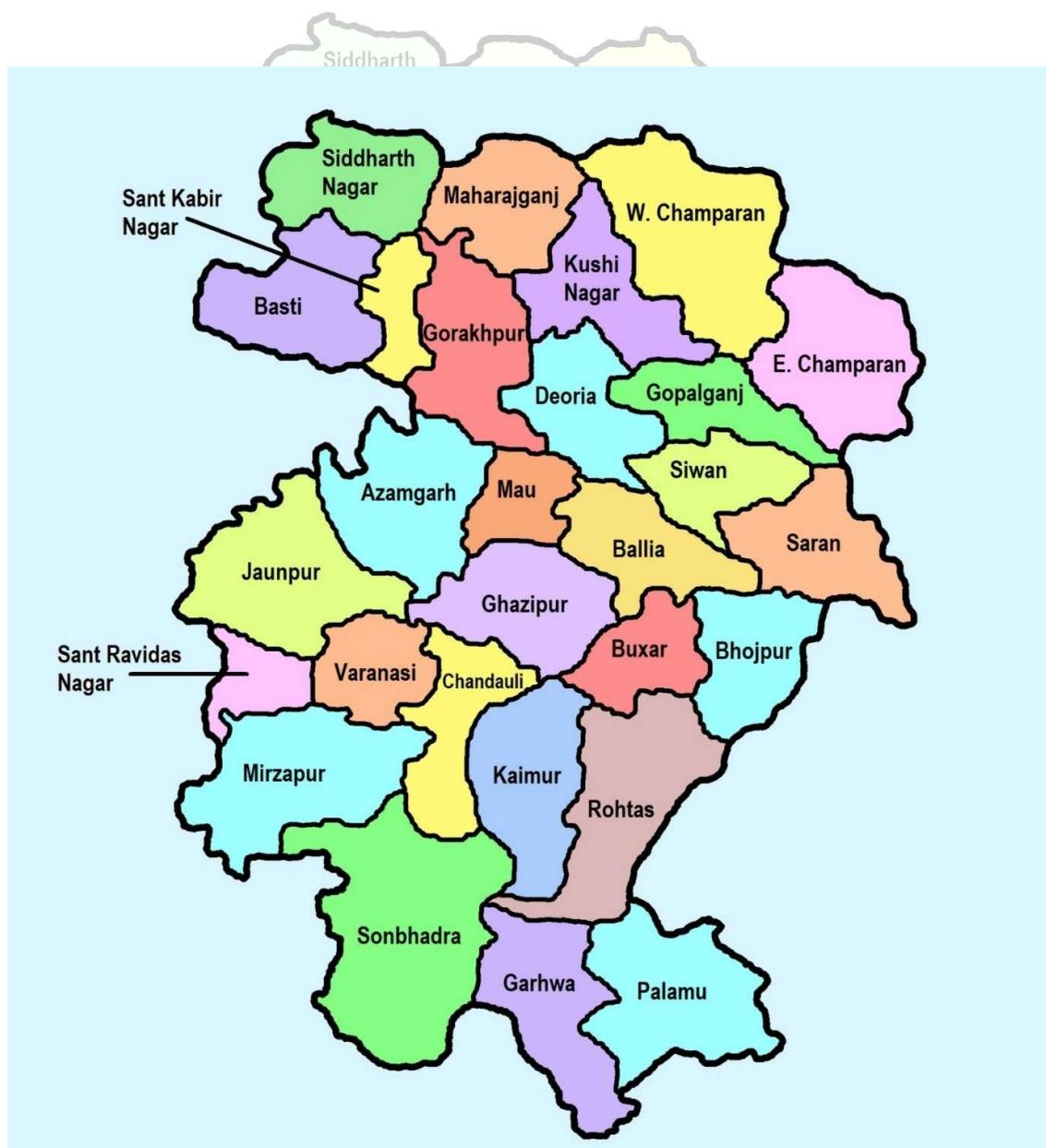
- क्षेत्रफल: 4,393 वर्ग किमी
- प्राकृतिक संसाधन: कोयला खदान, वनोपज
- आर्थिक गतिविधि: खनन, वन उत्पाद
- स्थापित उद्योग: कोयला खनन
- प्रमुख फैक्ट्रियाँ:
 - कोल माइंस



सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

हमार भोजपुर राज्य



सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

॥ भोजपुरी भाषा के विस्तृत इतिहास ॥

👉 उत्पत्ति आ विकास:

भोजपुरी भाषा इंडो-आर्यन भाषा परिवार के एक प्रमुख भाषा ह, जबन कि प्राचीन मगधी अपभ्रंश से निकसल ह। भोजपुरी भाषा के मूल संस्कृत आ प्राकृत भाषा से मानल जाला। ई भाषा मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड के भोजपुरिया क्षेत्र में बोले जाले, साथे नेपाल के तराई इलाका, मारीशस, फिजी, त्रिनिदाद, सूरीनाम, गुयाना, अमेरिका आ अफ्रीका तक भोजपुरी बोलनिहार लोग फ़इलल बा।

❖ १. प्राचीन काल (१००० ईस्वी से पहिले) ❖

भोजपुरी भाषा के जड़ वैदिक संस्कृत आ पालि-प्राकृत भाषा में मिलेला। ई भाषा मगधी अपभ्रंश से धीरे-धीरे विकसित भइल।

- ♦ **महाजनपद काल (६ठी-४ठी सदी ई.पू.):** भोजपुरिया इलाका मगध साम्राज्य के हिस्सा रहल, जबन कि बाद में मौर्य आ गुप्त वंश के अधीन आइल। ओह समय लोग पालि, प्राकृत, आ मगधी भाषा बोले।
- ♦ **गुप्त काल (४००-६०० ई.):** एही समय भोजपुरी आ ओहिजा के लोकभाषा धीरे-धीरे स्वतंत्र रूप से विकसित होखे लागल।
- ♦ **बुद्धकाल आ जैन परंपरा (५००-१००० ई.):** ई समय में भोजपुरी क्षेत्र के भाषा में धार्मिक ग्रंथ, लोककथा, आ जनसाधारण के बोलचाल के प्रभाव बढ़े लागल।

❖ २. मध्यकाल (१०००-१८०० ई.) ❖

♦ भक्तिकाल आ संत साहित्य:

भोजपुरी भाषा भक्ति आंदोलन में खास भूमिका निभइलस। कबीरदास, गुरु नानक, आ अन्य संत लोग भोजपुरी आ अवधी में उपदेश देलस।

- तुलसीदास के "रामचरितमानस" में भोजपुरी के प्रभाव देखे के मिलेला।
- नाथ संप्रदाय आ संत काव्य धारा भोजपुरी के लोकभाषा बना देलस।
- ♦ **लोकगीत आ नाट्य परंपरा:**
- भोजपुरी में सोहर, कजरी, बिरहा, चैता, बटगंगा, जटजटिन, कहरवा जइसन लोकगीत लोकप्रिय रहल।

सुनू हो बहिनी, सुनू हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmantry
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

- लोकनाट्य में नौटंकी आ भिखारी ठाकुर के "बिदेसिया" भोजपुरी समाज के सजीव चित्रण करेला।
- मुगल काल में भोजपुरी:
 - भोजपुरिया क्षेत्र में राजपूत, भूमिहार, ब्राह्मण, यादव आ अन्य जाति के लड़का लोग मुगल सेना में भी रहल, जो भोजपुरी के दिल्ली तक फ़इलावे में मदद कइलस।
 - एही समय भोजपुरी में फारसी आ अरबी शब्द घुल-मिल गइ।



- 3. आधुनिक काल (१८००-१९५० ई.):
 - गिरमिटिया मजदूर आ प्रवासी भोजपुरी:
 - १८३४ के बाद, अंग्रेज लोग बिहार आ उत्तर प्रदेश से लाखों भोजपुरिया मजदूर के मारीशस, फिजी, गुयाना, त्रिनिदाद, सूरीनाम, अफ्रीका आ कैरिबियन देश भेजलस, जवन कि ओहिजा भोजपुरी भाषा के एक नया पहचान देलस।
 - आज भी मारीशस, फिजी, सूरीनाम में भोजपुरी एक मान्यता प्राप्त भाषा हवे।
 - भोजपुरी साहित्य आ पत्रकारिता:
 - १९वीं सदी में भोजपुरी भाषा में लिखल कागाज-पत्र, अखबार आ किताब छपे लागल।
 - भिखारी ठाकुर (बिदेसिया), रघुवीर नारायण, रेणु महेंद्र मिश्र, आ राहुल सांकृत्यायन भोजपुरी साहित्य के मजबूत आधार देलन।
 - १९१३ में पहिला भोजपुरी अखबार "गाँव के गोरखपुर" छपल।

- 4. समकालीन भोजपुरी (१९५० से अब तक):
 - भोजपुरी सिनेमा के शुरुआत:
 - १९६३ में पहिला भोजपुरी फिल्म "गंगा मैया तोहे पियरी चढ़इबो" रिलीज भइल।
 - ओकरा बाद भोजपुरी सिनेमा इंडस्ट्री के बढ़ोतरी भइल, आ आज ई भारत के प्रमुख क्षेत्रीय फिल्म उद्योगन में से एक बा।
 - भोजपुरी भाषा के संवैधानिक मान्यता के मांग:
 - भोजपुरी के संविधान के ८वीं अनुसूची में शामिल करे के मांग कई साल से जोर पकड़ले बा।
 - बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड आ अन्य जगह भोजपुरी में कई सरकारी कामकाज होला।
 - २०१८ में नेपाल में भोजपुरी के द्वासरी राजभाषा के दर्जा मिलल।
सुन्स हो बहिनी, सुन्स हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Yours sincerely
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

◆ भोजपुरी भाषा के खास विशेषता ◆

- ✓ **अलग व्याकरण आ शब्द संरचना:** भोजपुरी में अपन अलग व्याकरण हवे, जइसे "हई", "बानी", "बा" इत्यादि।
- ✓ **अपन स्वतंत्र लिपि (कैथी लिपि):** भोजपुरी पहिले कैथी लिपि में लिखल जाले, बाद में देवनागरी हो गइल।
- ✓ **लोकसंगीत आ संस्कृति:** सोहर, चैता, बिरहा, निर्गुण, जट-जटिन भोजपुरी के संस्कृति में गहराई से बसल बा।
- ✓ **गिरमिटिया भोजपुरी:** फिजी, मारीशस, गुयाना, सूरीनाम में भोजपुरी भाषा के कई रूप विकसित भइल, जेकरा "फिजियन भोजपुरी" आ "कैरेबियन भोजपुरी" कहल जाला।

भोजपुरी भाषा इतिहास, संस्कृति, परंपरा आ संघर्ष के प्रतीक हवे। ई भाषा केवल भारत में ही ना, बल्कि दुनिया के कई देश में गर्व से बोले जाले। भोजपुरी भाषा के प्रचार-प्रसार, साहित्य, सिनेमा, आ संवैधानिक मान्यता खातिर लगातार प्रयास जारी बा।

"भोजपुरी के गौरव बढ़े, भोजपुरिया के सम्मान मिले!"

█ संविधान में नया राज्य बने के नियम

- भारत में नया राज्य बने के संविधानिक प्रक्रिया साफ-साफ अनुच्छेद 2 आ 3 में दिहल गइल बा। भोजपुर क्षेत्र के अलग राज्य बने के माँग अगर सही तरीका से उठावल जाव, त ई कानूनी रूप से संभव बा। लेकिन एह खातिर जनसमर्थन, राजनीतिक दबाव आ संसद में मजबूत दावेदारी जरूरी बा।

1 भारतीय संविधान के अनुच्छेद 2 आ 3

♦ अनुच्छेद 2:

- ई अनुच्छेद केंद्र सरकार के इजाजत देला कि ऊ भारत में नया राज्य शामिल कर सके।
- ई तब होखेला जब कोई नया क्षेत्र (जइसे सिकिम) भारत में जोड़ा जाला।

♦ अनुच्छेद 3:

- एह अनुच्छेद में भारत के अंदर नया राज्य बनावे, बैंटवारा करे, सीमा बदले आ नाम बदलले के प्रक्रिया बतावल गइल बा।
- अगर भोजपुर राज्य बने के बा, त ई अनुच्छेद 3 के तहत संसद में विधेयक पास करावे के पड़ी।
 - ◆ राज्य के सहमति जरूरी नइखे, लेकिन सलाह जरूर लिहल जाला।
 - ◆ अंतिम फैसला संसद आ राष्ट्रपति के रहेला।

सुनू हो बहिनी, सुनू हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmendra
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

◆ भोजपुर राज्य बने के संवैधानिक तरीका

१ जन समर्थन आ जनजागरण 🤝

- ✓ सबसे जरूरी चीज बा कि भोजपुर क्षेत्र के लोग के एकजुट कइल जाव।
- ✓ आंदोलन मजबूत होखे खातिर गाँव-गाँव, शहर-शहर अभियान चलावल जाव।
- ✓ ई तरीका से माँग के मजबूती बढ़ी आ सरकार पर दबाव आई।
- ✓ सोशल मीडिया, रेली, धरना, हस्ताक्षर अभियान आ पत्र भेजे के अभियान चलावल जाव।



२ संसद में विधेयक पेश करावल 📄

- ✓ जब जन समर्थन मजबूत हो जाई, त भोजपुरी क्षेत्र के सांसद लोकसभा में भोजपुर राज्य के मुद्दा उठाइहें।
- ✓ केंद्र सरकार राज्य पुनर्गठन विधेयक (State Reorganization Bill) संसद में पेश कर सकेला।
- ✓ एह विधेयक में भोजपुर राज्य के नाम, सीमा, संसाधन, आर्थिक स्थिति आ प्रशासन के ढाँचा तय होई।

३ संसद में बहस आ मतदान 🗳

- ✓ लोकसभा आ राज्यसभा में ई विधेयक पर बहस होई।
- ✓ जब संसद के साधारण बहुमत (Simple Majority) से ई विधेयक पास हो जाई, त राष्ट्रपति के पास भेजल जाई।

४ राष्ट्रपति से मंजूरी आ भोजपुर राज्य के निर्माण

- ✓ राष्ट्रपति विधेयक के मंजूरी देइहें, तब संविधान में संशोधन (Amendment) क के भोजपुर राज्य के गठन होई।
- ✓ नया राज्य के राजधानी, प्रशासनिक व्यवस्था, आ लोकसभा-राज्यसभा सीट के फेरबदल होई।

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

*Dharmendra
Kumar*

हमार भोजपुर राज्य

॥ भारत में अब तक के नया राज्य निर्माण ॥

● 1956 - राज्य पुनर्गठन आयोग:

→ भाषा आ सांस्कृतिक आधार पर भारत में नया राज्य बनल।

● 1960 - महाराष्ट्र-गुजरात के बैंटवारा:

→ मुंबई राज्य के तोड़ के गुजरात आ महाराष्ट्र बनावल गइल।

● 2000 - झारखण्ड, छत्तीसगढ़, उत्तरखण्ड:

→ आदिवासी आ आर्थिक आधार पर तीन नया राज्य बनल।

● 2014 - तेलंगाना:

→ जनता के आंदोलन आ राजनीतिक सहमति से नया राज्य बनल।

👉 भोजपुर राज्य के माँग में तेलंगाना के मॉडल सबसे बढ़िया उदाहरण बन सकेला।

■ भोजपुर राज्य के आंदोलन के मजबूत कइसे कइल जाए? (एक ठोस रणनीति) ■

भोजपुर राज्य के सपना अब जनांदोलन के रूप ले रहल बा। लेकिन एह लड़ाई के सफल बनावे खातिर संगठित रणनीति, जनजागरण, राजनीतिक दबाव आ कानूनी प्रयास जरूरी बा। निचे हमनी भोजपुर राज्य के आंदोलन के सफल बनावे के कुछ मजबूत तरीका दे रहल बानीं।

◆ जनजागरण अभियान (Mass Awareness Campaign)

✓ भोजपुर राज्य के मुद्दा के जनता तक ले जाए के जरूरत बा।

✓ ओकरा खातिर नीचे दिल तरीका अपनावल जा सकेला:

◆ सोशल मीडिया अभियान:

👉 फेसबुक, ट्विटर (X), इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टेलीग्राम आ व्हाट्सएप पर #BhojpurRajya जइसन कैम्पेन चलावल जाव।

👉 भोजपुरी में वीडियो बनाके युवा पीढ़ी तक संदेश पहुंचावल जाव।

👉 इंस्टाग्राम रील्स, फेसबुक लाइव आ यूट्यूब वीडियो से लोगन के जोरल जाव।

◆ गांव-गांव बैठक:

👉 हर जिला, ब्लॉक आ पंचायत स्तर पर "भोजपुर राज्य जनजागरण सभा" कइल जाव।

👉 भोजपुरी भाषा के महत्व, बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास के मुद्दा उठावल जाव।

◆ सांस्कृतिक कार्यक्रम आ नाटक:

👉 बिरहा, बिदेसिया, कवि सम्मेलन, लोकगीत के सहारे भोजपुर राज्य के संदेश फैलावल जाव।

👉 कॉलेज आ यूनिवर्सिटी में भोजपुर राज्य से जुड़ल सेमिनार, परिचर्चा, पोस्टर मेकिंग

प्रतियोगिता करावल जाव।

सुन्स हो बहिनी, सुन्स हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

*Dharmanand
Kumar*

हमार भोजपुर राज्य

♦ द्वारा राजनीतिक दबाव (Political Pressure) ♦

✓ भोजपुर राज्य के माँग के राजनीति में मजबूती से उठावल जरूरी बा।

❖ लोकसभा आ विधानसभा में मुद्दा उठे:

👉 भोजपुर क्षेत्र के सांसद-विधायक से लगातार माँग कइल जाव कि ओकरा के संसद आ विधानसभा में उठावल जाव।

👉 जवन नेता भोजपुर राज्य के समर्थन करसु, ओह लोग के समर्थन दिहल जाव।

👉 जवन नेता विरोध करसु, ओह लोग से सवाल पूछल जाव - "भोजपुरिया लोगन के अधिकार से काहे दूर राखल जाता?"

❖ सभी पार्टी पर दबाव:

👉 BJP, JDU, RJD, SP, कांग्रेस, AAP आ अन्य पार्टी से पूछल जाव कि भोजपुर राज्य पर ओकरा रुख का बा?

👉 2027 आ 2029 के चुनाव में "भोजपुर राज्य के मुद्दा पर समर्थन करs, तबे वोट मिली" जइसन नीति अपनावल जाव।

❖ एकीकृत मोर्चा बनावल जाव:

👉 भोजपुर क्षेत्र के छोट-छोट संगठनन के एक साथ जोड़ के एक मजबूत मोर्चा तैयार कइल जाव।

👉 एह मोर्चा के नेता सांसद-विधायकन से मिले, प्रेस कांफ्रेस करे, आंदोलन के रणनीति तैयार करे।

♦ शकानूनी लङ्घाई (Legal Approach) ♦

✓ संवैधानिक रूप से भोजपुर राज्य के माँग के मजबूती से रखा जाए।

❖ जनहित याचिका (PIL) दाखिल करल जाव:

👉 सुप्रीम कोर्ट आ हाई कोर्ट में "भोजपुरी भाषा के संवैधानिक मान्यता" आ "भोजपुर राज्य निर्माण" पर जनहित याचिका दायर करल जाव।

❖ राज्य पुनर्गठन आयोग के माँग:

👉 भारत सरकार से मांग कइल जाव कि भोजपुर राज्य खातिर नया राज्य पुनर्गठन आयोग बनावल जाव।

👉 झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना जइसन राज्य बनल त भोजपुर राज्य काहे ना?

❖ RTI डाल के जानकारी लेहल जाव:

👉 भोजपुरी भाषा, भोजपुरी क्षेत्र में औद्योगिक पिछड़ापन, रोजगार आ प्रशासनिक उपेक्षा पर RTI (सूचना का अधिकार) लगावल जाव।

👉 एह जानकारी से आंदोलन के मजबूती मिली आ सरकार पर दबाव पड़ी।

सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।

हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Yashwant
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

♦ ४ बड़े पैमाने पर आंदोलन ♦

- ✓ जब जनता जागल जाई, तब आंदोलन मजबूती से होई।
- ✓ आंदोलन के सफल बनावे खातिर नीचे दिहल तरीका अपनावल जाव:

❖ शांतिपूर्ण प्रदर्शन आ रैली:

👉 भोजपुर क्षेत्र के अलग-अलग जिलन में शांतिपूर्ण धरना, प्रदर्शन आ भोजपुर राज्य यात्रा निकालल जाव।

👉 हर साल "भोजपुर राज्य दिवस" मनावल जाव, जवना में लाखों लोग शामिल होखे।

❖ दिल्ली, पटना, लखनऊ आ रांची में प्रदर्शन:

👉 संसद भवन, मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, विधानसभा के सामने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कइल जाव।

👉 पटना, बनारस, लखनऊ, गाजीपुर, छपरा, बक्सर, सिवान, बलिया, गोरखपुर, आ सोनभद्र में लगातार प्रदर्शन कइल जाव।

❖ रेल रोको, चक्का जाम, जन सत्याग्रह:

👉 जब सरकार ध्यान ना दे, तब लोकतांत्रिक तरीका से रेल रोको आंदोलन, चक्का जाम, सत्याग्रह कइल जाव।

👉 ई पूरा आंदोलन बिना हिसा के अहिंसात्मक रूप से गांधीवादी तरीका से कइल जाव।

♦ अप्रवासी भोजपुरिया लोग के जोड़ल जाव ♦

✓ भोजपुर क्षेत्र के लोग मुंबई, दिल्ली, पंजाब, गुजरात, बंगलुरु, कोलकाता आ खाड़ी देश (UAE, सऊदी, कतर, मॉरीशस, फिजी) में बसल बा।

✓ ई प्रवासी भोजपुरिया लोगन के आंदोलन में जोड़ल बहुत जरूरी बा।

❖ भोजपुर राज्य के समर्थन में मुंबई, दिल्ली, दुबई, मॉरीशस, फिजी में कार्यक्रम करावल जाव।

❖ प्रवासी भोजपुरिया लोग से आर्थिक सहयोग मांगल जाव, जवना से आंदोलन मजबूत बन सके।

♦ ८मीडिया में दबाव बढ़ावल जाव ♦

✓ भोजपुर राज्य के माँग के नेशनल मीडिया, लोकल मीडिया आ डिजिटल मीडिया में लावल जरूरी बा।

❖ प्रेस कांफ्रेंस करल जाव:

👉 पटना, बनारस, दिल्ली, लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस कर के पत्रकार लोगन से बातचीत कइल जाव।

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।

हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

Dharmanand
Kumar

हमार भोजपुर राज्य

❖ सोशल मीडिया पर लगातार मुद्दा उठावल जाव:

👉 "भोजपुर राज्य के समर्थन में हमनी के एकजूट बानीं" ऐसन कैम्पेन चलावल जाव।

👉 ट्रिटर (X), फेसबुक, यूट्यूब पर #BhojpurRajya ट्रैंड करावल जाव।

❖ डॉक्यूमेंट्री आ शार्ट फिल्म बनावल जाव:

👉 भोजपुरी भाषा, पलायन, बेरोजगारी, पिछड़ापन पर यूट्यूब आ ओटीटी प्लेटफार्म पर शार्ट

फिल्म बनावल जाव।

👉 इ लोगन के भोजपुर राज्य के महत्व के बारे में जागरूक करी।

❖ भोजपुर राज्य के माँग के तर्क

1. सांस्कृतिक पहचान के सुरक्षा

✓ भोजपुरी भाषा आ संस्कृति के सम्मान मिले।

✓ भोजपुरी भाषा के संविधान के आठवीं अनुसूची में शामिल कइल जाव।

2. आर्थिक विकास

✓ भोजपुर क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योग, हथकरघा, पर्यटन आ खनिज संसाधन बा, लेकिन ठीक से विकास नइखे भईल।

✓ अलग राज्य बनला से आर्थिक विकास तेज होई।

3. रोजगार आ शिक्षा

✓ भोजपुर क्षेत्र में नयका विश्वविद्यालय, फैक्ट्री आ आईटी हब खुल सकेला।

✓ युवा लोग के रोजगार के अवसर बढ़ी।

4. ऐतिहासिक आधार

✓ भोजपुर क्षेत्र के ऐतिहासिक योगदान बा, जइसे 1857 के विद्रोह में जगदीशपुर के कुंवर सिंह के भूमिका।

✓ स्वतंत्रता संग्राम आ सामाजिक आंदोलन में भोजपुर के योगदान महत्वपूर्ण बा।

❖ निष्कर्ष: भोजपुर राज्य बने के राह

👉 संविधानिक रूप से अनुच्छेद 3 के तहत भोजपुर राज्य बन सकेला।

👉 जन आंदोलन, राजनीतिक समर्थन आ कानूनी प्रक्रिया से ई माँग सफल हो सकेला।

👉 तेलंगाना, झारखण्ड जइसे उदाहरण से सिख के मजबूत रणनीति बनावे के पड़ी।

👉 अगर भोजपुर क्षेत्र के लोग एकजूट होइहें, त सरकार पर दबाव बन के भोजपुर राज्य के सपना साकार होई।

👉 अगर ऊपर दिहल तरीका से आंदोलन चलावल जाई, त भोजपुर राज्य के माँग मजबूत होई।

👉 अब भोजपुरिया लोग के हक मिले के चाही, भोजपुर राज्य बनल जरूरी बा!

सुनें हो बहिनी, सुनें हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।

हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!

हमार भोजपुर राज्य

"भोजपुर राज्य हमार हक बा, अब मिल के रही!"



Dharmendra
Kumar

सुनs हो बहिनी, सुनs हो भइया, अब जागे के बा, अब बोले के बा।
हमनी हई भोजपुरिया भाखी, राज्य हमार भोजपुर, राजधानी काशी!